क्विक रीड

साइना-श्रीकांत थाइलैंड ओपन से बाहर

बैंकॉक। शीर्ष भारतीय शटलर साइना नेहवाल और किदांबी श्रीकांत गुरुवार को यहां थाइलैंड ओपन के दूसरे दौर में अपने-अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गए। साइना को जापान की गैर वरीय सयाका ताकाहाशी से हार का

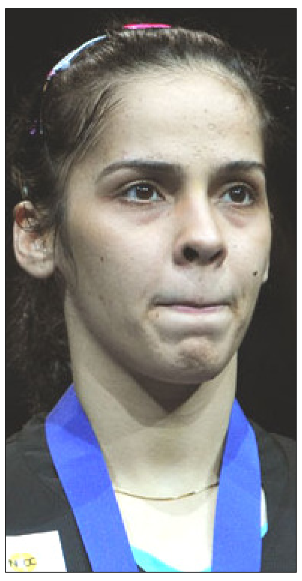

सामना करना पड़ा जबकि श्रीकांत को स्थानीय खिलाड़ी खोसित फेतप्रदब ने मात दी। इससे सातवीं वरीय साइना का कोर्ट पर वापसी का सफर बहुत जल्दी समाप्त हो गया जिन्होंने करीब दो महीने बाद वापसी की थी। वह बढ़त का फायदा उठाने में सफल नहीं रहीं और 48 मिनट तक चले दूसरे दौर के मुकाबले में ताकाहाशी से 21-16, 11-21, 14-21 से पराजित हो गईं। ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु की अनुपस्थिति में साइना के हारने से भारत का इस टूर्नमेंट के महिला एकल में अभियान समाप्त हो गया। साइना ने चोट के कारण इंडोनेशिया ओपन और पिछले हफ्ते जापान से हटने का फैसला किया था। श्रीकांत को खोसित के खिलाफ 21-11, 16-21, 12-21 से हार झेलनी पड़ी। उन्होंने पहला गेम आसानी से जीता लेकिन अगले दोनों गेम में वह कुछ खास नहीं कर सके और हारकर बाहर हो गए। भारत के लिए पुरुष युगल स्पर्धा में अच्छी खबर रही जिसमें सत्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने फजर अलफियां और मोहम्मद रियान आर्दियांतो की इंडोनेशियाई जोड़ी पर सीधे गेम में 21-17, 21-19 से जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी का सामना अब शुक्रवार को कोरिया के चोई सोलग्यू और सियो सेयूंग जाए की क्वॉलिफायर जोड़ी से होगा।

डार्सी शॉर्ट के ऑलराउंड प्रदर्शन से डरहम जीता

नई दिल्ली। लीस्टरशॉयर की ओर से रखे गए 143 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डरहम टीम ने 14.4 ओवर में ही 2 विकेट पर विजयी रन हासिल कर लिया। डरहम की ओर से पारी की शुरुआत करने आए डार्सी शॉर्ट और ग्राहम क्लार्क ने 10.1 ओवर में ही 118 रन जोड़ लिए। कैलम पार्किंसन की गेंद पर बोल्ड होने से पहले डार्सी ने 36 गेंदों पर 12 चौके और एक छक्का लगाया। क्लार्क (नाबाद59) ने अपनी अर्धशतीय पारी के दौरान 38 गेंदों पर 8 चौके और एक छक्का जड़ा। लीस्टरशॉयर की ओर से कैलम पार्किंसन ने अपने चार ओवर के कोटे में 36 रन देकर दो विकेट लिए। इससे पहले लीस्टरशॉयर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 142 रन बनाए थे जिसमें कप्तान कॉलिन एकरमैन के 41 गेंदों पर बनाए गए 52 रन शामिल थे।

आस्ट्रेलिया को हराकर हमारा मनोबल बढ़ेगा : गुरजीत

बेंगलुरू। भारतीय महिला हाकी टीम की सदस्य गुरजीत कौर का मानना है कि दुनिया की दूसरे नंबर की टीम आस्ट्रेलिया को हराकर ओलंपिक क्वालीफायर से पहले टीम का आत्मविश्वास बढेगा । एफआईएच रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज भारतीय महिला टीम को तोक्यो में 17 अगस्त से शुरू हो रहे ओलंपिक टेस्ट टूर्नामेंट में आस्ट्रेलिया, चीन (11वीं) और मेजबान जापान (14वां) की चुनौती का सामना करना है । गुरजीत ने कहा कि हम अगर आस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर सके तो मनोबल काफी बढ़ेगा। पिछले छह महीने में हमने जापान, चीन, स्पेन और आयरलैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन आस्ट्रेलिया को हराने से ओलंपिक क्वालीफायर से पहले मनोबल बढेगा। भारत की स्टार ड्रैगफ्लिकर गुरजीत ने कहा कि टीम का माहौल अच्छा है और खिलाड़ी उत्साह से भरपूर है। उन्होंने कहा कि हमने तैयारी अच्छी की है और गोलकीपरों, डिफेंडरों के शिविर से काफी फायदा मिला। टीम का माहौल अच्छा है और हम आत्मविश्वास से ओतप्रोत हैं ।

भार्गव ने दूसरे वरीय गोकुल सुरेश को हराया

चेन्नई। क्वालीफायर मेघ भार्गव के पटेल ने क्वार्टर फाइनल में उलटफेर करते हुए गुरुवार को दूसरे वरीय गोकुल सुरेश को हराकर यहां एआईटीए टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। गुजरात के क्वालीफायर पटेल ने सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से जीत दर्ज की। शीर्ष वरीय वीएम रंजीत ने भी दीपक सेंथिल कुमार को सीधे सेटों में 6-1, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मोहम्मद फहद और क्वालीफायर ऋषभ देव रमन भी अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे। फहद ने यशवंत लोगनाथन को 6-2, 6-1 से हराया जबकि ऋषभ ने गुहन राजन को 6-3, 6-1 से शिकस्त दी।

रवि शास्त्री अपने पद पर रह सकते हैं बरकरार

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इस महीने में टीम इंडिया के कोच का चयन करेगा। बोर्ड ने कपिल देव की अध्यक्षता वाली 3 सदस्यीय सलाहकार समिति को नया कोच चुनने की यह जिम्मेदारी सौंपी है। वर्तमान कोच रवि शास्त्री को कोच चयन के लिए होने वाले इंटरव्यू में सीधे एंट्री मिली है। सूत्रों की मानें तो वर्तमान कोच रवि शास्त्री ही टीम इंडिया के कोच बने रह सकते हैं। उन्हें अगले दो सालों तक अपने कार्यकाल का एक्सटेंशन मिल सकता है।

किकेटर से कॉमेंटर बने और फिर कोच बने शास्त्री का कार्यकाल आगामी 2020 टी20 वर्ल्ड कप तक बढ़ाया जा सकता है। अब से लेकर 2021 तक भारत को दो टी20 चैंपियनशिप में हिस्सा लेना है, जिसमें वेस्ट इंडीज दौरे से ही टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत हो चुकी होगी। इसके बाद 2020 से आईसीसी की वनडे चैंपियनशिप की शुरुआत भी हो जाएगी। ऐसे में फिलहाल शास्त्री को ही यह जिम्मेदारी दी जा सकती है कि वह टीम इंडिया के लिए आगे की रणनीति तैयार करें। शास्त्री की कोचिंग में भारतीय टीम का जीत प्रतिशत 70 प्रतिशत है, जिसके तहत टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया में ऐताहासिक टेस्ट सीरीज समते, एशिया कप के 2 खिताब, वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक का सफर भी शामिल है। हालांकि इसके उलट उनकी ही कोचिंग में टीम इंडिया साउथ अफ्रीका में 1-2 से और इंग्लैंड में 1-4 से टेस्ट सीरीज भी गंवा चुकी है। इसके अलावा रवि शास्त्री कोच के रूप में टीम इंडिया की अभी भी पहली पसंद ही हैं। कप्तान विराट कोहली ने वेस्ट इंडीज रवाना होने से पहले मीडिया में बेझिझक यह बयान दिया था कि अगर शास्त्री कोच बनते हैं, तो उन्हें खुशी होगी। साल 2017 में भी शास्त्री विराट की पहली पसंद थे।

टीम इंडिया के मुख्य कोच पद के लिए आवदेन की तारीख मंगलवार को खत्म हो गई। इस फेहरिस्त में

बढ़ सकता है 2020 तक कार्यकाल

ऑस्ट्रेलियाई कोच टॉम मूडी सबसे बड़ा नाम हैं। मूडी ने 2007 में आखिरी बार किसी नैशनल टीम को कोचिंग दी थी और वह लंबे समय से बतौर कोच ढ्ढक्क फेंचाइजी के साथ जुड़े हैं। शास्त्री के अलावा भरत अरुण का भी बोलिंग कोच बने रहना तय लग रहा है। उनकी ही देखरेख में बीते 2 सालों में टीम इंडिया का बोलिंग विश्व स्तर पर पहले से अधिक प्रभावशाली हुआ है। इस दौरान टीम ने लाल और सफेद दोनों ही गेंदों से अपनी बोलिंग में छाप छोड़ी है। इस बीच टीम इंडिया में बतौर बैटिंग कोच और फील्डिंग कोच के रूप में वर्तमान कोचों की जगह पक्की नहीं लग रही है। सूत्रों की मानें तो बोर्ड चाहता है कि इन दोनों क्षेत्रों में किसी नए कोच को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए ताकि टीम अपनी बैटिंग और फील्डिंग पर नए आइडिया के साथ काम कर सके।

नए बल्लेबाजी कोच की तलाश

जहां शास्त्री और अरुण का दोबारा अपनी जगह पाना तय नजर आ रहा है, वहीं बल्लेबाजी और फील्डिंग कोच पर नए लोगों की नियुक्ति की उम्मीद जताई जा रही है। सूत्र ने बताया कि बोर्ड बल्लेबाजी कोच के लिए नए दावेदार की नियुक्ति कर सकता है। फील्डिंग कोच के रूप में भी किसी नए व्यक्ति को नियुक्त किया जा सकता है। यह कहना मुश्किल है कि संजय बांगड़ को आगे मौका दिया जाएगा। ऐसे व्यक्ति की जरूरत है, जिसके पास नए आईडिया हो और टीम को आगे लेकर जा सके। फील्डिंग कोच की रेस में आर श्रीधर सबसे आगे थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के फील्डिंग लीजेंड जोंटी रोड्स ने नामांकन भरके अपना दावा मजबूती से पेश किया है।

जयवर्धने रेस से बाहर

हाल ही में खबरें आ रही थी कि महेला जयवर्धने भारतीय कोच की रेस में सबसे आगे हैं। उन्होंने बीसीसीआई में भारतीय टीम का कोच बनने के लिए आवेदन जमा किया है। हालांकि, खबरें मिली हैं कि जयवर्धने की अभी टीम इंडिया का कोच बनने में दिलचस्पी नहीं है। सूत्र ने कहा कि जयवर्धने अभी मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े हुए हैं और वह फेंचाइजी के साथ अपना काम जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने भारतीय कोच पद के लिए आवेदन जमा नहीं किया।

स्वितोलिना, साबालेंका क्वॉर्टर फाइनल में

सैन फ्रांसिस्को। शीर्ष वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना और दूसरी वरीयता प्राप्त बेलारूस की एरिना साबालेंका डब्ल्यूटीए सान जोस हार्ड कोर्ट टूर्नमेंट के क्वॉर्टर फाइनल में पहुंच गईं। स्वितोलिना ने रूस की डारिया कासात्किना को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं साबालेंका ने अमेरिका की कोको वांडेवेगे को 6-3, 6-3 से मात दी। सातवीं वरीयता प्राप्त स्वितोलिना का सामना अब यूनान की मारिया सक्कारी से होगा जिसने जापान की मायो हिबि को 4-6, 6-4, 6-2 से हराया। साबालेंका की टक्कर अब स्पेन के छठी वरीयता प्राप्त कार्ला सुआरेज नवारो से होगा जिसने अमेरिका की बेथानी माटेक सैंड्स को 3-6, 6-1, 6-2 से शिकस्त दी।

पाक क्रिकेटर वसीम लाएंगे विदेशी दुल्हनियां

लाहौर।। भारत की टेनिस स्टार सानिया मिर्जा के बाद अब देश की एक और बेटी पाकिस्तानी क्रिकेटर की दुल्हन बनने जा रही है। निकाह अगले महीने यानी 20 अगस्त को होगा। हरियाणा के नूंह की रहने वाली शामिया आरजू पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली के साथ विवाह बंधन में बंधने वाली हैं। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में जन्में हसन अली और नूंह के चंदेनी निवासी शामिया का निकाह दुबई के ऐटलांटिस पाम जुबेरा पार्क होटल में होगा। शामिया एयर अमीरात में फ्लाइट इंजीनियर हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो शामिया के परिवार के करीब दस सदस्य 17 अगस्त को दुबई जा रहे हैं। उनके पिता पूर्व बीडीपीओ लियाकत अली ने कहा कि बेटी की शादी तो करनी है, चाहे भारत हो या पाकिस्तान, इससे फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि बंटवारे के समय उनके काफी रिश्तेदार पाकिस्तान चले गए थे, जिनसे आज भी वह संपर्क में हैं। शामिया का रिश्ता उनके परदादा के परिवार के जरिये हुआ है।

लियाकत अली ने बताया पाकिस्तान के पूर्व सांसद और पाकिस्तान रेलवे बोर्ड के चेयरमैन रहे सरदार तुफैल और उनके दादा सगे भाई थे। बंटवारे के बाद उनके दादा यहीं हिंदुस्?तान में रह गए और उनके भाई पाकिस्तान चले गए। उनका परिवार आज पाकिस्तान के कसूर जिला के कच्ची कोठी नईयाकी में रहता है और उनके जरिए ही रिश्ता तय हुआ। शामिया ने मानव रचना यूनिवर्सिटी से ऐरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। पहले वह जेट एयरवेज में थी। फिलहाल तीन साल में वह एयर अमीरात में काम कर ही हैं।

पाकिस्तान के उर्दू अखबार एक्सप्रेस न्यूज की रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तानी गेंदबाज हसन अली हरियाणा की एक लड़की को दिल दे बैठे हैं। अखबार ने बताया है कि इनकी शादी कराने के लिए दोनों परिवार एक दूसरे के संपर्क में हैं। अखबार ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि अगर लड़की वालों की तरफ से 'हां' हो गई तो अगस्त के तीसरे हफ्ते में हसन भारतीय लड़की से शादी की डोर में बंध जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, लड़की पहले जेट एयरवेज में थी। फिलहाल तीन साल में वह एयर अमीरात में काम कर ही हैं। जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि लड़की का नाम शामिया आरजू है। इनका संबंध हरियाणा से है और यह दोनों दुबई में एक करीबी दोस्त के यहां मिले थे। इस रिपोर्ट में कहा गया कि दोनों का निकाह 20 अगस्त को दुबई में होगा। अखबार ने बताया कि शामिया ने इंग्लैंड से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है और वह दुबई में अपने परिवार के साथ रहती हैं। इससे पहले पाकिस्तानी आलराउंडर शोएब मलिक की शादी भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा से हो चुकी है। अपने समय के मशहूर बल्लेबाज मोहसिन खान ने भारतीय अभिनेत्री रीना रॉय से शादी की थी, हालांकि बाद में दोनों का तलाक हो गया था।

सानिया की नजरें 2020 में वापसी पर

नई दिल्ली। भारत की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने कहा है कि अपने करियर में वह इतना कुछ हासिल कर चुकी हैं कि अब दूसरी पारी में उन्हें 'कुछ साबित नहीं करना' है और वह जनवरी 2020 तक वापसी की कोशिश में हैं। मां बनने के बाद दो साल से अधिक समय के ब्रेक के बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी की तैयारी कर रही 32 बरस की सानिया रोज चार घंटे अभ्यास करती हैं और 26 किलो वजन कम कर लिया है। अपने सुनहरे करियर में सानिया ने छह युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और विश्व रैंकिंग में नंबर एक तक पहुंचीं। इसके अलावा स्विटजरलैंड की मार्टिना हिंगिस के साथ उन्होंने डब्ल्यूटीए सर्किट पर कई खिताब जीते। सानिया ने एक इंटरव्यू में कहा कि मैने अपने करियर में इतना कुछ हासिल किया है कि कभी सोचा भी नहीं था। अब अगली पारी में जो होगा, वह मेरे लिये बोनस होगा। मुझे लग रहा था कि अगस्त तक वापसी कर सकूंगी लेकिन अब जनवरी में संभावना लग रही है। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा इजहान मेरे लिये सबसे बड़ा उपहार है। यदि मैं वापसी कर सकी तो यह शानदार होगा। मेरा बेटा फिर से फिट होने के लिये मेरी प्रेरणा रहा है। यदि मैं वापसी करती भी हूं तो मुझे कुछ साबित नहीं करना है। वापसी का एकमात्र कारण होगा कि मुझे खेलना पसंद है। 'अगर' के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी उन्होंने फैसला नहीं किया है। उन्होंने कहा कि मैने ऐसा इसलिये कहा कि अभी देखना है कि मेरा शरीर कैसा रहता है। अगले दो महीने में पता चल जायेगा। पूरी तरह फिट नहीं होने पर मैं नहीं खेलूंगी। वापसी करके चोटिल होने का कोई मतलब नहीं है। मां बनने के बाद बहुत सी खिलाड़ी सफल नहीं रही है। सिर्फ मार्गरेट कोर्ट, इवोने गूलागोंग और किम क्लाइटजर्स ने मां बनने के बाद खिताब जीता है। मौजूदा पीढ़ी में मां बनने के बाद कुछ ही शीर्ष 50 में आ सकीं लेकिन अमेरिका की सेरेना विलियम्स मातृत्व के बाद भी नौवीं रैंकिंग पर हैं। सानिया ने कहा कि वापसी के लिये काफी प्रेरणा है लेकिन सेरेना जैसे खिलाड़ियों को मां बनने के बाद ग्रैंड स्लैम खेलते देखना अच्छा लग रहा है। वह काफी प्रेरक हैं। उन्होंने कहा कि मैं पहले की तरह मजबूत महसूस कर रही हूं लेकिन अभी भी घुटने में दिक्कत है। यह पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ है। मुझे गर्भवती होने से पहले घुटने में चोट लगी थी और यही वजह है कि 2017 के आखिर में मैने खेलना छोड़ दिया था।अपनी ट्रेनिंग के बारे में सानिया ने कहा कि मैं रोज तीन-चार घंटे दो सत्र में फिटनेस पर काम कर रही हूं। टेनिस के लिये यह और ज्यादा है। पहले फोकस वजन कर करने पर था लेकिन अब पहले की तरह कड़ा अभ्यास शुरू हो गया है। अपेक्षायें तो बहुत हैं लेकिन अगर मैं वापसी कर सकी तो तोक्यो ओलंपिक पर नजर होगी।

अश्विन की गेंदबाजी को लेकर नाथन लियोन ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिन गेंदबाज नाथन लियोन ने भारतीय गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को लेकर बड़ी बात कही है। इंग्लैंड में एशेज सीरीज में हिस्सा ले रहे लियोन ने कहा है कि मैंने रविचंद्रन अश्विन के कई फुटेज देखे हैं, जो कि उनके पिछले साल के हैं, जब वह इंग्लैंड के दौरे पर आए थे। मेरी नजर में वह सबसे बेहतरीन स्पिन गेंदबाजों में से एक हैं। लियोन ने एक इंटरव्यू में कहा है कि मेरी नजर में रविचंद्रन अश्विन एक बेहतरीन गेंदबाज हैं, और मैं उनसे बहुत कुछ सीख सकता हूं। उन्होंने जिस तरह से इंग्लैंड में प्रदर्शन किया था, वह बेहद प्रभावी था। उनके इंग्लैंड में किए गए प्रदर्शन को देखकर मैं भी यहां बेहतर प्रदर्शन कर सकता हूं। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज का पहला मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान में खेला जा रहा है। इसी ग्राउंड में इंग्लैंड ने हाल ही में संपन्न हुए विश्वकप 2019 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को

हराया था। ऐसे में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। लियोन ऑस्ट्रेलिया के चौथे सबसे कामयाब गेंदबाज हैं, जिन्होंने अपने करियर में 86 टेस्ट मैच खेले हैं और 343 विकेट चटकाए हैं। वहीं एशेज सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को अपने इस अनुभवी गेंदबाज से काफी उम्मीदें होंगी, जो इंग्लैंड के बल्लेबाजों को काफी ज्यादा परेशान करने का हुनर रखते हैं। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया भी अपने सबसे अनुभवी गेंदबाज नाथन लियोन के जरिए इंग्लैंड में एशेज सीरीज जीतकर अपना रिकॉर्ड भी बेहतर करना चाहेगी। अब देखना ये है कि पहले मैच में दोनों टीमों का प्रदर्शन कैसा रहता है।

अगले वर्ल्ड कप तक एक बेह्तरीन टीम तैयार करने का लक्ष्य : दिमुथ

नई दिल्ली। विश्व कप में लचर प्रदर्शन करने वाली श्रीलंका ने बांग्लादेश को हराकर वनडे सीरीज जीत ली है। श्रीलंका ने बांग्लादेश को एकदिवसीय सीरीज में 3-0 से हराकर, 44 साल के बाद अपने घर पर कोई सीरीज जीती है। श्रीलंकाई कप्तान दिमुथ करुणारत्ने अगले विश्व कप तक इस युवा टीम को मजबूत बनाना चाहते हैं। श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने कहा कि हां यह हमारे लिए नई शुरुआत है। मुझे लगता है कि विश्व कप के बाद हमें फिर से शुरुआत करनी थी, और इस बार हमें कुछ नई प्रतिभाओं की तलाश करनी है। हमें आगे घर और विदेशों में सीरीज खेलनी है। हम नये खिलाड़ियों को अवसर देने की उम्मीद कर रहे है। हम अगले विश्व कप के लिए सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी बनाना चाहते हैं। लसिथ मलिंगा और एंजेलो मैथ्यूज जैसे सीनियर खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मैं हर समय एंजेलो और लसिथ से बात करता हूं, उन्होंने मुझे समर्थन दिया है। मैं अभी भी सीख रहा हूं और मुझे अपनी कप्तानी में काफी सुधार करना है। सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ ने मेरा समर्थन किया है और मैं अपना काम

ठीक से करने की कोशिश कर रहा हूं। बांग्लादेश की खिलाफ इस सीरीज में मैथ्यूज ने तीन मैचों में 187 रन बनाये थे और मैन ऑफ़ द सीरीज बने थे।करुणारत्ने ने कहा कि एंजेलो बहुत अनुभवी हैं। वह अपने खेल को अच्छी तरह समझते हैं, इसलिए वह बल्ले से सफल होते हैं। मैच में अगर वह एक या दो ओवर फेंक सकते हैं तो श्रीलंका को यह फायदा देता है। कप्तान करुणारत्ने ने युवा खिलाड़ियों को लेकर कह कि वे सभी बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और मैं उन्हें मौका देना चाहता था। क्योंकि इस मैच के बाद हमारे पास ज्यादा एकदिवसीय मैच नहीं हैं। आज जो भी खिलाड़ी खेले उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। हम चाहते हैं कि हमारी टीम मजबूत हो।

विंडीज दौरे पर कोहली के सामने होंगी ये 'विराट' चुनौतियां

नई दिल्ली। टीम इंडिया का वेस्टइंडीज दौरा शनिवार को टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के साथ शुरू हो जाएगा। भारतीय कप्तान विराट कोहली के लिए पिछली बार वेस्टइंडीज का दौरा अच्छी परिस्थितियों वाला नहीं बीता था। तत्कालीन कोच अनिल कुंबले के साथ कोहली की दरार ने सुर्खियां बटोरी थी। इसके बाद कुंबले ने कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। दो साल के बाद मीडिया रिपोर्ट्स आई कि हिटमैन रोहित शर्मा के साथ कप्तान कोहली की नहीं जम रही है। भारतीय टीम के विश्व कप 2019 से बाहर होने के बाद ऐसी खबरों ने काफी बाजार गर्म किया था। कोहली ने वेस्टइंडीज रवाना होने से पहले इसका जवाब देकर स्पष्टीकरण भी दिया कि दोनों के बीच कोई दरार नहीं है। अब विराट कोहली के लिए आगामी वेस्टइंडीज दौरे पर कई चुनौतियां हैं, जिसका हल खोजना उनके व टीम के लिए बेहद जरूरी है। चलिए जानते हैं कि आगामी सीरीज में भारतीय कप्तान विराट कोहली के सामने क्या चुनौतियां होंगी।

भारतीय टीम को अगले साल ऑस्ट्रेलियाई में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले कुल 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। भारतीय टीम वनडे के समान ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी अपने शीर्ष तीन बल्लेबाजों पर निर्भर रहती आई है। इसका साफ मतलब है कि टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर में परेशानी है। भारतीय कप्तान विराट कोहली के सामने ऐसे खिलाड़ियों की खोज करने की जिम्मेदारी होगी, जो बीच के ओवरों में रन जुटाएं और टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में मदद करें। टीम इंडिया के पास हार्दिक पांड्या एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जो तेजी से रन बनाते हैं, लेकिन टीम सिर्फ उन पर निर्भर नहीं रह सकती। टीम इंडिया के पास आगामी तीन मैचों में टी20 के लिए बेहतर खिलाड़ियों की खोज करने की विशाल चुनौती होगी।

विश्व कप से बाहर होने के बाद भारतीय टीम के बारे में विश्लेषण करने पर लगातार बहस हुई कि टीम ने उन खिलाड़ियों को ज्यादा मौका नहीं दिया, जो खेलने के हकदार थे। नंबर-4 पर सिर्फ अंबाती रायुडू को ज्यादा मौके मिले, जबकि आए और गए। श्रेयस अय्यर ने इस क्रम के लिए अपना दावा मजबूती से पेश किया, लेकिन उन्हें भी ज्यादा मौके नहीं मिले। कुछ युवा क्रिकेटर्स तो इंटरव्यू में कह चुके हैं कि अगर लगातार मौका नहीं मिले तो वह अपने आप पर विश्वास खोने लगते हैं। युवाओं को जरूरत है कि उन्हें कुछ समय दिया जाए ताकि वह अपनी प्रतिभा बेहतर तरीके से दिखा सके। अब टीम इंडिया के पास ऐसे खिलाड़ियों की लिस्ट तैयार हैं, जिन्होंने भारत ए के लिए बेहतर प्रदर्शन किया और टी20 विश्व कप के लिए इन्हें तैयार किया जा सकता है। भारतीय कप्तान को ऐसे युवाओं की खोज करनी होगी, जो जिम्मेदारी उठाकर टीम को सफलता दिलाएं।

टीम का माहौल बनाना होगा सकारात्मक

टीम इंडिया विश्व कप खिताब की प्रबल दावेदार थी और सेमीफाइनल में उसका सफर अजब तरीके से खत्म हुआ। इसके बाद खिलाड़ियों का मनोबल काफी नीचा है। अब एक महीने के दौरे पर बेहतर प्रदर्शन करना टीम के लिए आसान नहीं होगा। ऐसे में भारतीय कप्तान विराट कोहली के सामने चुनौती होगी कि वह टीम के माहौल को सकारात्मक बनाए रखे ताकि टीम एक बार फिर जीत की लय में लौटे। कोहली को अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलवाना होगा ताकि आगे का रोडमैप तैयार कर सकें। हिटमैन रोहित शर्मा के साथ दरार पर विराट अपनी सफाई पेश कर चुके हैं और अब उन्हें ये साबित करना होगा कि टीम के हौसले पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा होगा।

सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन का चयन

भारतीय कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए सबसे बड़ी चुनौति प्लेइंग इलेवन का चयन करने की होगी। टीम इंडिया को अपना संयोजन अच्छे से बैठाना होगा। टीम इंडिया के विश्व कप से बाहर होने का जिम्मेदार 45 मिनट के खराब क्रिकेट को ठहराया गया। मगर भारतीय टीम की बल्लेबाजी हमेशा से चिंता का विषय रही। रोहित शर्मा, शिखर धवन और विराट कोहली पर अधिकांश भारतीय बल्लेबाजी निर्भर रही। इसके अलावा मिडिल ऑर्डर में बेहतर बल्लेबाज की गैर-मौजूदगी चिंता का सबब बनी। हालांकि, टीम इंडिया का गेंदबाजी आक्रमण इस समय विश्व का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण माना जा रहा है। अब टी20 विश्व कप में केवल 14 महीने रह गए हैं। ऐसे में टीम इंडिया को अपनी बेस्ट प्लेइंग इलेवन खोजना होगी ताकि 2007 के बाद खिताब जीतने में सफल हो सके।

धोनी का उत्तराधिकारी खोजना

विराट कोहली के सामने एक और विशाल चुनौती होगी कि वह दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी का उत्तराधिकारी चुने। एमएस धोनी ने संन्यास का ऐलान नहीं किया, लेकिन दो महीने के ब्रेक पर गए हैं। इसके अलावा मीडिया रिपोर्ट्स आई कि वह टीम इंडिया की मदद करने के चलते संन्यास की घोषणा नहीं कर रहे हैं। युवा रिषभ पंत को धोनी का उत्तराधिकारी माना जा रहा है और भारतीय कप्तान विराट कोहली को उन पर भरोसा कायम करना होगा।

रिषभ अभी युवा हैं, ऐसे में कप्तान कोहली की जिम्मेदारी होगी कि वह पंत को सही दिशा में आगे बढ़ाए और उनकी हौसला-अफजाई करें। यही नहीं, विराट कोहली को इसके साथ ही दूसरे युवा विकेटकीपर की भी खोज करनी होगी ताकि पंत के विकल्प के रूप में उन्हें परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।